नासवी के 25 साल

सड़क से संसद तक

नासवी का शुरुवाती सफर

नासवी, भारत के स्ट्रीट वेंडरों का राष्ट्रीय संघ, स्ट्रीट वेंडर संगठनों के एक नेटवर्क के रूप में उत्पन्न हुआ, जिसका प्राथमिक लक्ष्य स्ट्रीट वेंडरों के लिए एक राष्ट्रीय नीति की वकालत करना था। रेहड़ी-पटरी वालों को, जिनकी चिंताएँ अक्सर उनके तात्कालिक बाजारों तक ही सीमित थीं, राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट होने के लिए राजी करना एक महत्वपूर्ण चुनौती थी। इस बाधा को दूर करने के लिए, नासवी ने भारत के विभिन्न हिस्सों में कार्यशालाओं, सेमिनारों और कार्यक्रमों को आयोजित करते हुए एक व्यापक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाया। देश भर में रणनीतिक रूप से स्थित शहरों में क्षेत्रीय बहु-हितधारक बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें पथ विक्रेताओं, उनके नेतृत्व, नगरपालिका प्रशासकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, नागरिक समाज संगठनों और मीडिया ने भाग लिया। नीतिगत वकालत से परे अपठ विक्रेताओं की स्थिति को बेहतर बनाने की आवश्यकता को पहचानते हुए, नासवी के संस्थागत स्वरुप की अवधारणा में आकार लिया।

17 और 18 मई 1999 को पटना में पूर्वी क्षेत्रीय बैठक

राष्ट्रीय विक्रेता दिवस समारोह 20 जनवरी 2009

कानून और स्ट्रीट वेंडिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला 26 और 27 फरवरी 2005 को नई दिल्ली में

24 मार्च 2002 को त्रिपुरा, अगरतला में राज्य स्तरीय कार्यशाला

परामर्श के माध्यम से, नासवी ने स्ट्रीट वेंडर संगठनों को प्रांतीय स्तर की संरचनाओं के बिना सीधे नासवी के साथ संबद्ध करने का निर्णय लिया। स्ट्रीट वेंडर संगठनों की अलग-अलग राजनीतिक संबद्धताओं का सम्मान करते हुएयह सुनिश्चित करना आवश्यक था कि नासवी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ प्रतिस्पर्धा न करे। इसलिए, नासवी को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया था, इसकी संरचना और कार्य को ट्रेड यूनियन के साथ संरेखित किया गया था। यह पंजीकरण अतिरिक्त लाभ लेकर आया, जिसमें बाहरी सहायता और विदेशी योगदान प्राप्त करने की क्षमता शामिल है।

नासवी के वकालत प्रयासों के परिणामस्वरूप स्ट्रीट वेंडरों के लिए सरकारी फंडिंग भी निर्धारित की गई, जिससे इसकी सहयोगियों की सहायता करने की क्षमता में वृद्धि हुई। सोसायटी अधिनियम के तहत पंजीकरण करके, नासवी ने अपनी संगठनात्मक ताकत को बढ़ाया, वार्षिक आम बैठकें आयोजित कीं और अपने जमीनी स्तर और वकालत-उन्मुख दृष्टिकोण को मजबूत किया। मजबूत सदस्यता जुड़ाव और नेतृत्व विकास के साथ, नासवी एक गतिशील संगठन के रूप में विकसित हुआ, जिसने विभिन्न सरकारी निकायों के साथ अपने अधिकारों की वकालत करते हुए राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर पथ विक्रेताओं को प्रभावी ढंग से संगठित किया। नासवी के कड़े प्रयासों ने, न केवल पथ विक्रेताओं को उनके संगठनों के गठन और मजबूती में सहायता करके सशक्त बनाया है, बल्कि व्यापक स्तर पर उनकी चिंताओं के बारे में चर्चा को भी बढ़ाया है।

इस यात्रा के दौरान नासवी कई महत्वपूर्ण अभियानों में शामिल रहा। पथ विक्रेतावों के लिए केंद्रीय कानून की मांग से लेकर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ), विश्व आर्थिक मंच जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी आवाज उठाने में अहम् भूमिका रही।यूं कहें की 'सड़क से संसद तक' की यात्रा में नासवी गत 25 वर्षों से भारत में स्ट्रीट वेंडरों की रीढ़ रहा है। एक सोच से शुरू हुआ नासवी का सफर आज 25 वर्षों का रूप ले चूका है और अब इस सफर में 10 लाख से अधिक सदस्यों और 1024 संगठनों का परिवार बन गया है , जो 28 से अधिकराज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हैं।

राष्ट्रीय नीति 2004

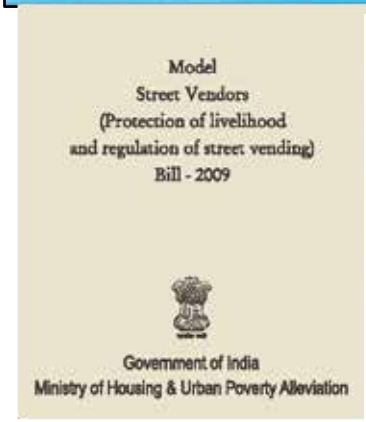

शहरी सड़क विक्रेताओं के लिए राष्ट्रीय नीति को सबसे पहले पुटपाथ विक्रेता के तौर पर मान्यता मिली। निरंतर विभिन्न सरकार एवं राज्य सरकारों से एक संचार का सकारात्मक माहौल बनाया. नीति को 14 राज्यों द्वारा लागू किया गया था। सबसे लोकप्रिय कार्यान्वयन भुवनेश्वर नगर निगम, जो शहर में 52 वेंडिंग जोन बनाए गए। राष्ट्रीय नीति का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है प्रमुखता से दिखाना। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नीति में प्रभावी क्षमता का अभाव था कार्यान्वयन. तब एक कानून 14 के रूप में सामने आया. नासवी ने 2004में राष्ट्रीय नीति की निर्माण से लेकर 2014 के राष्ट्रीय कानून बनाने बहुत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, नासवी के प्रतिनिधियों ने टास्क फोर्स और मसौदा समिति में सक्रिय रूप से भाग लिया।

माफिया राज का अंत नगरपालिका संग्रहण

एक सदियों की पुरानी प्रथा ठेकेदारों द्वारा नगरपालिका कर का कानूनी तौर पर इसका अर्थ है जबरन वसूली असहाय सड़क विक्रेता. संग्रह के लिए अनुबंध प्राप्त करना- नगर निगम के करों पर, ठेकेदार सामंतों की तरह व्यवहार किया न केवल का निर्धारण से राशि एकत्रित की जानी है विभिन्न विक्रेता लेकिन कौन सा भी विक्रेता किसमें क्या बेचेगा बाज़ार का स्थान. बहुत सारे मीम्स, अनुबंध प्रबंधित किया गया था उनमें से। नासवी ने आवाज़ उठाया इन ठेकेदारों के खिलाफ लड़ो सह माफिया और अंत में, अनुबंध व्यवस्था को सभी ने समाप्त कर दिया राज्य। इसके बजाय सिद्धांत से कर का प्रत्यक्ष संग्रहण नगरपालिका द्वारा विक्रेताओं लेखक को सभी ने अपनाया राज्य।

भारत में स्ट्रीट वेंडरों के संघर्ष कि अमर क्षति

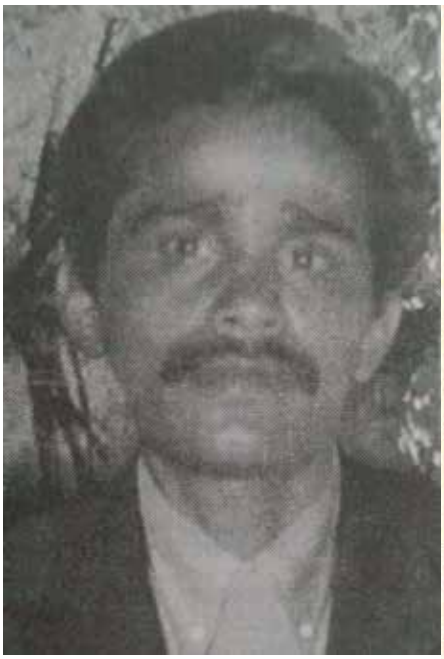

प्रत्येक क्रांति के लिए शुरुवात में कुछ दुर्भाग्य से घटनाएँ हुई, नासवी की लड़ाई में तीन घटनाओं ने हमें झकझोर कर रख दिया. 11 मई 2005 को अब्दुल रफीक ने लखनऊ नगर निगम कार्यालय के बाहर आत्मदाह कर लिया.

2006 में गोपाल कृष्ण कश्यप ने आत्मदाह कर लिया खुद मांग मांग कर रहे थे की जंहा वे दुकान लगते थे वहां वापस जाने के लिए. एक और घटना पप्पू राठौड़ ग्वालियर की है जो अपने आप को आग लगा ली वे भी अपने स्थान पर जाने की मांग कर रहे थे जगह वो अपनी फल की दुकान लगाया करते थे.

इन तीनों के बलिदान के बाद नासवी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय को स्तर पर उठाने का निर्णय लिया. ये अमर बलिदानी हैं भारत के विक्रेता सड़क विक्रेता समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है ।

ये अमर बलिदान भारत में स्ट्रीट वेंडर समुदायों के लिए अपूरणीय क्षति थे। नासवी अपने प्रयासों के माध्यम से भारत में स्ट्रीट वेंडरों और असंगठित श्रमिकों के अधिकारों और अधिकारों के लिए काम करना जारी रखेगा।

केंद्रीय कानून के लिए संघर्ष

भारत के स्ट्रीट वेंडरों को पहचान दिलाने की मांग से लेकर स्ट्रीट वेंडरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून प्राप्त करने तक, का यह सफर संघर्ष, सीखने और प्रेरणा से भरी रही । पथ विक्रेताओं की आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की रक्षा के लिए नीति कार्यान्वयन और एक केंद्रीय कानून के अधिनियमन की वकालत करने वाली नासवी की यात्रा दृढ़ संकल्प और रणनीतिक प्रयासों द्वारा चिह्नित की गई थी। इसकी शुरुआत इस एहसास के साथ हुई कि विभिन्न राज्यों में नीति कार्यान्वयन में कमी थी, जिसने नासवी को एक सशक्त कानून के मांग के लिए प्रेरित किया।

अक्टूबर 2010 में निर्णायक मोड़ आया जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पथ विक्रेताओं को अपने व्यवसाय चलाने के मौलिक अधिकार की मान्यता दी और सरकार को जून 2011 तक एक कानून बनाने का निर्देश दिया। नासवी ने पोस्टकार्ड अभियान, सहभागिता सहित कई पहल शुरू कीं | राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के साथ वार्ता एवं देशव्यापी आन्दोलन, एक केंद्रीय कानून पर जोर देने के लिए जारी रही । प्रमुख क्षणों में संसद का विशाल घेराव, स्ट्रीट वेंडर्स बिल का मसौदा तैयार करना और केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इसकी मंजूरी शामिल थी। प्रारंभिक बिल में कुछ कमियों के बावजूद, नासवी स्थायी समिति के समक्ष चिंताओं और संशोधनों को प्रस्तुत करता रहा। अंततः, 19 फरवरी 2014 को, राज्यसभा ने स्ट्रीट वेंडर्स बिल पारित कर दिया, जो अनथक वकालत और भारत के स्ट्रीट वेंडरों की एकीकृत आवाज के माध्यम से हासिल किया गया यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ.

नासवी का इतिहास कुछ महत्वपूर्ण तिथियां

तारीख	घटना
1998	पहली कार्यशाला अहमदाबाद में आयोजित की गई थी
26 सितम्बर 1998	एक नेटवर्क के रूप मर नासवी ने अपनी यात्रा शुरू की
5- 6 अप्रैल 1999	नई दिल्ली में उत्तरी क्षेत्रीय बैठक
17 और 18 मई 1999	पूर्वी क्षेत्रीय बैठक पटना में
30-31 अगस्त 1999	मुंबई में पश्चिमी क्षेत्रीय बैठक
30 अक्टूबर 1999	बेंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्रीय बैठक
30-31 जनवरी 2000	झारखंड में राज्य स्तरीय कार्यशाला
29 और 30 मई, 2000	स्ट्रीट वेंडर्स पर पहलीराष्ट्रीय कार्यशाला, नई दिल्ली।
27-अक्टूबर-01	त्रिची में शहर स्तरीय कार्यशाला
2002	स्ट्रीट वेंडर्स पर एशियाई कार्यशाला
24 मार्च 2002	त्रिपुरा, अगरतला में राज्य स्तरीय कार्यशाला
30-जनवरी-03	पटना नगर निगम के सामने प्रदर्शन किया.
7 मार्च 2003	चंडीगढ़ में शहर स्तरीय कार्यशाला
6 जुलाई 2003	जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यशाला
14 अक्टूबर 2003	भुबनेश्वर में राज्य स्तरीय बैठक
29 नवंबर 2003	लखनऊ में राज्य स्तरीय बैठक
जनवरी 2004	पुणे में नासवी की पहली आम बैठक।
20 जनवरी 2004	भारत सरकार ने स्ट्रीट वेंडर्स पर राष्ट्रीय नीति अपनाई
2004	बिहार राज्य में शहरी स्ट्रीट वेंडरों पर राष्ट्रीय नीति केकार्यान्वयन के लिए नासवी द्वारा विरोध मार्च का आयोजन किया गया था।
26 और 27 फरवरी 2005	नई दिल्ली में कानून और स्ट्रीट वेंडिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला
11-मई-05	लखनऊ के अब्दुल रफ़ीक के द्वारा ठेकादारी व्यवस्था के विरोध में
4 जून 2005	लखनऊ में राज्य स्तरीय बैठक
साल 2009	राष्ट्रीय नीति को बाद में संशोधित किया गया
20 जनवरी 2009	राष्ट्रीय विक्रेता दिवस समारोह
मई-09	नासवी कार्यालय दिल्ली में शुरू किया गया था
2 जून 2009	नासवी ने स्ट्रीट वेंडिंग से कर वसूली के लिए अनुबंध प्रणाली कीनीति के खिलाफ मसाला जुलूस का आयोजन किया।

11-06-2009	नासवी ने मुद्दा उठाया और सरकार पर दबाव बनाने का एजेंडा तैयारकिया। नीति को लागू करने के लिए और इसी रणनीति के तहत बिहार में विरोध मार्चबुलाया गया
29 जुलाई 2009.	नासवी ने नई दिल्ली में "शहरी भारत में विक्रेताओं को एकीकृतकरने पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया
जुलाई-09	नासवी ने अपना पहलाराष्ट्रीय स्ट्रीट फूड फेस्टिवल लेडी हार्डिंग कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित किया
अक्टूबर-10	भारत के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला नासवी के लिए एक बड़ी राहत कीतरह आया
24-नवंबर-10	नासवी ने केंद्रीय कानून पर जोर देने के लिए (MHUPA) से संपर्ककिया। नासवी के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कुमारी शैलजा से मुलाकात की.
22-जनवरी-11	प्रस्तावित नई संरचना के लिए संविधान के मसौदे पर चर्चा के लिए नासवी दिल्ली में दूसरा परामर्श आयोजित करेगा।
मई, 2011	नासवी ने केंद्रीय कानून का मुद्दा यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी केसमक्ष उठाया
14-जुलाई-11	नासवी ने कम से कम 30 शहरों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए
18-अगस्त-11	केंद्रीय कानून की मांग को लेकर हजारों विक्रेताओं ने संसद काघेराव किया और 7 सदस्यीय नासवी प्रतिनिधिमंडल ने MHUPA से मुलाकात की
19-नवंबर-11	नासवी ने दिल्ली में सभी विषयों पर शहरों में स्ट्रीट वेंडरों काएक विशाल राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
21-फ़रवरी-12	असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन की स्थितिपर राष्ट्रीय कार्यशाला, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
17-मई-12	नासवी ने लुधियाना में स्ट्रीट वेंडरों के आजीविका अधिकार और नगरनिकायों की भूमिका पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।
जुलाई, 2012 में	कानून मंत्रालय ने स्ट्रीट वेंडर्स बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी
17 अगस्त 2012 को	केंद्रीय मंत्रिमंडल नेस्ट्रीट वेंडर्स (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) विधेयक कोमंजूरी दे दी।
6 सितंबर, 2012	बिल लोकसभा में पेश किया गया
22-अगस्त-12	ने हैदराबाद में महिला विक्रेता प्रशिक्षण का आयोजन किया
13 मार्च 2013	नासवी ने 13 मार्च को दिल्ली में स्ट्रीट वेंडर्स पार्लियामेंट का आयोजन किया। नासवी ने दिल्ली में एक सप्ताह तक चलने वाला रथ अभियान चलाया।
1 मई 2013	नासवी ने 1 मई को दिल्ली में स्ट्रीट वेंडर्स बिल को कानून में बदलने पर कानूननिर्माताओं के साथ स्ट्रीट वेंडर्स संवाद का आयोजन किया। यह बहुत सफल साबित हुआऔर इसके परिणामस्वरूप केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्ट्रीट वेंडर्स बिल को मंजूरी देदी।
6 सितंबर 2013 को	बिललोकसभा से पारित हो गया.

सितंबर से जनवरी 2014 तक	राज्यसभा में विधेयक पारित कराने के लिए सघन अभियान और सांसदों के साथ पैरवी
31 जनवरी, 2014	एनएएसवीआई ने जंतर मंतर पर एक विशाल 'रेहड़ी पितृ संसद' का आयोजन किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाग लिया।
16 फरवरी को	**नासवी** ने विधेयक पारित करने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूखहड़ताल का आह्वान किया।
19 फरवरी 2014 को	राज्यसभाने स्ट्रीट वेंडर्स बिल भी पारित कर दिया और इस प्रकार भारतीय संसद ने भारत केस्ट्रीट वेंडरों की आवाज़ सुनी।
07-अप्रैल-15	**नासवी** को दिल्ली में WHO द्वारा आयोजित विश्व स्वास्थ्य दिवस में अपना अनुभव साझा करनेके लिए आमंत्रित किया गया था
2015	NASVI ने डालियान, चीन में विश्व शहरी मंच और विश्व आर्थिक मंच में भाग लिया
04-अक्टूबर-15	नासवीएसकेए वॉकथॉन में भाग ले रहा है
18 सितंबर 2015	ILO के सहयोग से **नासवी** ने ओडिशा में रथ अभियान का आयोजन किया
27 जून 2016	**नासवी** ने दीनदयाल अंतोदय योजना, विज्ञान भवन, नई दिल्ली पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन मेंभाग लिया।
13 अक्टूबर 2016	पांचवींस्ट्रीटनेट अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस
2016	सुरक्षित खाद्य अभियान
2016	**नासवी** ने वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस - मनीला में भाग लिया
2017	**नासवी** ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में भाग लिया
12-14 जनवरी, 2018	**नासवी** ने अपना राष्ट्रीय स्ट्रीट फूड फेस्टिवल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली मेंआयोजित किया
25 मार्च 2020	**नासवी** ने पीएम, MoHUA, CMs, नगर निगम को लिखा पत्र। सब्जी/फल विक्रेताओं को अनुमतिदेने की अपील - विक्रेताओं को ऋण सहायता प्रदान करें।
3 अप्रैल 2020	MoHUA ने **नासवी** की अपील पर विचार किया - विक्रेताओं को आवश्यक वस्तुएं बेचने की अनुमतिदेने के लिए प्रमुख सचिवों को लिखा। कुछ राज्य सरकारों ने रेहड़ी-पटरी वालों कोआर्थिक मदद देने की घोषणा की.
1 जून, 2020	पीएमस्वनिधि योजना की घोषणा की गई
अगस्त-20	**नासवी** ने स्ट्रीट वेंडरों के मुद्दों को समझने के लिए 5 ज़ोन-वार वेबिनार आयोजित किए।माननीय सचिव _MOHUA ने भी नगर आयुक्तों, मिशन प्रबंधकों और सामाजिक कार्यकर्ताओंके साथ वेबिनार में भाग लिया।
सितम्बर-20	**नासवी** ने रेहड़ी-पटरी वालों को पीएम-स्वनिधि योजना से जोड़ने के लिए कैंप लगाना शुरूकिया.
21 एवं 22 जुलाई 2022	वार्षिकआम बैठक
20 फरवरी 2023	दिल्ली के रेहड़ी-पटरी वालों के पक्ष में दिल्ली नगर निगम का ऐतिहासिक आदेश।

10 और 11 मई 2023	राष्ट्रीयकार्यकारिणी समिति की बैठक
29 और 30 मई 2023	राष्ट्रीयमहिला टीवीसी सदस्य बैठक
09-अगस्त-23	टाउनवेंडिंग समितियों की सुरक्षा और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस

पथ विक्रेताओं के अधिकारों के लिए आयोजित राष्ट्रीय दिवस	
1 मई	श्रमिक दिवस- आवाहन दिवस
20 जनवरी	राष्ट्रीय स्ट्रीट वेंडर्स दिवस
8 मार्च	महिला स्ट्रीट वेंद्रस की सुरक्षा दिवस
10 दिसम्बर	मानवाधिकार दिवस

पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के एजेंडे को आगे बढ़ाने में नासवी की भूमिका

2009 में, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) ने स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की रक्षा के लिए एक मिशन शुरू किया। हमारी रणनीति में नीति कार्यान्वयन और एक केंद्रीय कानून बनाने की वकालत करना शामिल था। विशेष रूप से, 2010-11 में, नासवीने रथ अभियान का आयोजन किया, जिसने कई राज्यों में नीति परिवर्तन में योगदान दिया। अक्टूबर 2010 में एक महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को 30 जून 2011 तक पथ विक्रेताओं के लिए कानून बनाने का निर्देश दिया। नासवी ने सरकारी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम किया, जिसमें आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री कुमारी शैलजा के साथ एक नवंबर 2010 में प्रतिनिधिमंडल की बैठक भी शामिल थी।नासवी ने 2011 की शुरुआत में एक पोस्टकार्ड अभियान भी चलाया और मई 2011 में भारत सरकार को एक केंद्रीय कानून की सिफारिश की।

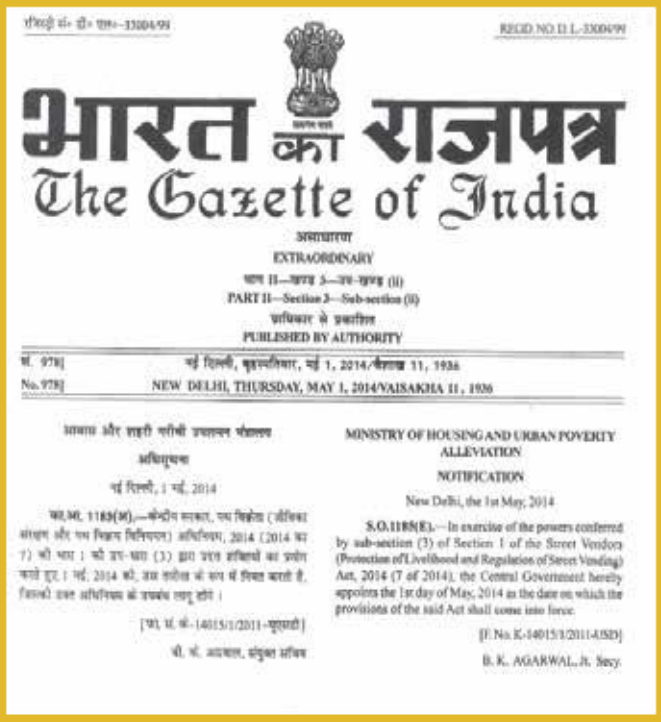

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PUBLISHED BY AUTHORITY

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 1, 2014/VAISAKHA 11, 1936

MINISTRY OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st May, 2014

S.O.1185(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Street Vendors (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014 (7 of 2014), the Central Government hereby appoints the 1st day of May, 2014 as the date on which the provisions of the said Act shall come into force.

[F. No. K-14015/1/2011-UED]

B. K. AGARWAL, Jt. Secy.

18 अगस्त, 2011 को, हजारों पथ विक्रेताओं ने केंद्रीय कानून की मांग करते हुए संसद के समक्ष रैली की, जबकि नासवी प्रतिनिधिमंडल ने एमएचयूपीए मंत्री को 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर प्रस्तुत किया। नासवी ने अपने प्रयास जारी रखे, नवंबर 2011 में "सभी के लिए शहर" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। प्रगति जुलाई 2012 में हुई जब कानून मंत्रालय ने ड्राफ्ट स्ट्रीट वेंडर्स बिल को मंजूरी दे दी, और 17 अगस्त 2012 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे मंजूरी दे दी।

नासवी ने 18 अगस्त, 2012 को देश भर में इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इसके बाद, विधेयक 6 सितंबर, 2012 को लोकसभा में पेश किया गया। नासवी ने नवंबर और दिसंबर 2012 में स्थायी समिति के समक्ष अपनी चिंताओं को प्रस्तुत किया और विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव रखा। 13 मार्च, 2013 को, दिल्ली में एक महत्वपूर्ण स्ट्रीट वेंडर्स संसद हुई, जो संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट के दोनों सदनों में पेश होने के अवसर पर हुई।

1 मई, 2013 को, नासवी ने संशोधित स्ट्रीट वेंडर्स बिल को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ, दिल्ली में राजनीतिक नेताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद आयोजित किया। यह विधेयक 6 सितंबर 2013 को लोकसभा द्वारा पारित किया गया था। 31 जनवरी 2014 को,नासवी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भागीदारी के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विशाल 'रेहड़ी पटरी संसद' का आयोजन किया। नासवी के प्रतिनिधिमंडल ने 11 फरवरी 2014 को लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, भाजपा नेता राजीव प्रताप रूडी और युवा मामले और खेल मंत्री जितेंद्र सिंह सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात की और उनसे विधेयक को पारित करना सुनिश्चित करने का आग्रह किया। नासवी की दृढ़ता की परिणति 16 फरवरी 2014 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के रूप में हुई, जिसमें विभिन्न शहरों के तीस स्ट्रीट वेंडर नेता शामिल थे। अंततः, 19 फरवरी 2014 को, राज्य सभा ने स्ट्रीट वेंडर्स बिल पारित कर दिया, जिससे भारत के स्ट्रीट वेंडरों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत हुई क्योंकि भारतीय संसद ने उनकी आवाज़ पर ध्यान दिया।

नासवी का परचम फहराया
रेहड़ी पटरी कानून आया
सोनिया गांधी ने दी आवाज
रेहड़ी पटरी विधेयक हुआ लोकसभा से पास

वेंडर्स की मांग

Parliament Gherao
NATIONAL ASSOCIATION OF STREET VENDORS OF INDIA

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल
जंतर मंतर, नई दिल्ली

पथ विक्रेताओं के अधिकारों की वकालत

वकालत एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग नासवी द्वारा पथ विक्रेताओं की आवाज़ उठाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि यह उच्चतम अधिकारियों तक पहुंचे।

चाहे वह सार्वजनिक गतिविधियाँ हों या किसी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कार्यशालाएँ और सम्मेलन हों, नासवी, यह सुनिश्चित करता रहा है कि स्ट्रीट वेंडरों की आवाज़ सड़क से संसद तक उठाई जाए। देश की जीडीपी में अहम योगदान देने के बाद भी स्ट्रीट वेंडर्स को हमेशा बाहरी या अवैध माना जाता है, यह नासवी के प्रयास और योगदान ही थे जिन्होंने इस समुदाय को कानून की नजर में वैध बनाया है.

पटरी व्यवसायियों ने थाने का किया घेराव

वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने पटरी व्यवसायियों को थाने पर बैठाने का विरोध किया। शुक्रवार को दशाश्वमेध थाने का घेराव कर रहे समिति के सदस्यों ने कहा कि अतिक्रमण अभियान के दौरान 100 से अधिक व्यवसायियों का न केवल सामान जब्त किया गया बल्कि उन्हें थाने पर बैठाया गया। यह ठीक नहीं है। हालांकि थाना प्रभारी ने पटरी व्यापारियों से सुपुर्दनामा लिखवाकर छोड़ दिया है। इस दौरान अर्चना चंदवानी, शीला देवी, मुन्नी देवी, धर्मराज गुप्ता, मनोज यादव, दीपक रस्तोगी, प्रदीप आदि शामिल रहे। संवाद

सार्वजनिक कार्यवाही

नासवी, पथ विक्रेताओं के अधिकारों के लिए एक प्रमुख अभिवक्ता रहा है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली सार्वजनिक कार्रवाइयों को नियोजित करता रहा है। बिहार में, नासवी ने 2004 में शहरी स्ट्रीट विक्रेताओं पर राष्ट्रीय नीति को लागू करने की वकालत करने के लिए एक मार्च का आयोजन किया था ।इटावा में, कार्यकर्ताओं ने 2007 में पारित एक राज्य विधेयक को नियमित करने की मांग करते हुए धरना दिया, जिसमें कई जिलों के विक्रेताओं ने भाग लिया।

मई 2009 में, नासवी ने पटना में स्ट्रीट वेंडरों से कर वसूली के लिए अनुबंध प्रणाली के खिलाफ एक बड़े घेराव का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने जून 2009 में मशाल जुलूस और जनवरी 2013 में बिहार में "विक्रेताओं की मांग" विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया।पथ विक्रेताओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए नासवी द्वारा सार्वजनिक कार्रवाई को एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उपयोग करना आवश्यक है क्योंकि सार्वजनिक कार्रवाई राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को उजागर करती है। इसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, एकता का निर्माण करना, राजनीतिक दबाव लागू करना और नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देना है जो इस हाशिए पर मौजूद समूह के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करते हैं।

सम्मेलन

नासवी, भारत में स्ट्रीट वेंडर्स का राष्ट्रीय संघ, ने महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने और स्ट्रीट वेंडरों के हितों को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सक्रिय रूप से सम्मेलन आयोजित किया हैं। क्षेत्रीय स्तर पर, 16 नवंबर 2012 को कोलकाता में एक स्ट्रीट वेंडर सम्मेलन हुआ, जिससे स्थानीय स्ट्रीट वेंडरों को प्रासंगिक मामलों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान का अवसर किया गया। क्षेत्रीय व राज्य स्तर पर लगातार व कई सम्मेलन आयोजित किये गए|

राष्ट्रीय स्तर पर भी नासवी ने महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किए हैं जिनका व्यापक प्रभाव पड़ा है। 13 दिसंबर, 2012 को कामकाजी गरीबों के हाशिए पर जाने का मुकाबला करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्ट्रीट वेंडरों के लिए समावेशी केंद्रीय कानून की आवश्यकता पर चर्चा की गई। जहां अजय माकन जैसे दिग्गजों ने सम्मेलन में शिरकत की| यह सम्मेलन केंद्रीय कानून की आवश्यकता को पहचानने और संबोधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

बैठक

पथ विक्रेताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए नासवी के प्रयासों में बैठकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, स्थानीय स्तर सहित क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों सभाएँ संवाद और कार्रवाई के लिए मंच के रूप में कार्य करती हैं। सुंदरगढ़ में, वेंडर्स दिवस मनाने और प्रासंगिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए "फुटपाथ उठा डोकानी कल्याण समिति" के बैनर तले एकजुट होकर, 20 जनवरी को एक बैठक आयोजित की गई थी। उसी प्रकार, जालंधर और अमृतसर में, 8 जुलाई को बस स्टैंड पर एक बैठक बुलाई गई, जिसमें पंजाब में नासवी सदस्य संगठनों की भागीदारी हुई और क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर जागरूख कराया गया.

राष्ट्रीय स्तर पर, नासवी ने 7 जून, 2012 को नई दिल्ली में डिप्टी चेयरमैन हॉल, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया। इस परामर्श ने स्ट्रीट वेंडरों के बीच मानवाधिकारों के बढ़ते उल्लंघन के संबंध में गहरी चिंता व्यक्त की और स्ट्रीट वेंडर्स मानवाधिकार चार्टर की घोषणा को चिह्नित किया। इस तरह की बैठकें भारत भर में पथ विक्रेताओं के अधिकारों और कल्याण की वकालत करने, एकता को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर सार्थक बदलाव की वकालत करने के लिए नासवी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

कार्यशालाएं

नासवी, भारत में स्ट्रीट वेंडर्स का राष्ट्रीय संघ, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर स्ट्रीट वेंडरों के अधिकारों और आजीविका से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए कार्यशालाओं के आयोजन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। क्षेत्रीय स्तर पर, नासवी ने धनबाद, बहराइच, सवाई माधोपुर, वाराणसी, सुंदरगढ़, पटना और नासिक जैसे शहरों सहित पुरे देश में शहर स्तरीय कार्यशालाएँ आयोजित कीं, जिनमें स्ट्रीट वेंडर विनियमन नियम, विक्रेताओं के सामने आने वाली चुनौतियाँ, विक्रेता दिवस समारोह, विस्थापन संबंधी चिंताएँ और स्ट्रीट वेंडर नीतियां और कई अन्य विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर, नासवी के सचिव श्री वी. मगेश्वरन ने मार्च 2011 में बैंकॉक, थाईलैंड में अनौपचारिक श्रमिकों को संगठित करने पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। स्ट्रीट वेंडरों के आजीविका अधिकारों और नगर निकायों की भूमिका पर NASVI द्वारा लुधियाना में एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। 17 मई 2012 को, ये कार्यशालाएँ और सम्मेलन पूरे भारत में रेहड़ी-पटरी वालों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए NASVI की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वकालत

नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) ने भारत में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय वकालत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 18 नवंबर 2000 को नासवी ने मुंबई में स्ट्रीट वेंडर्स पर राउंड टेबल के लिए आईएलओ एसएनडीटी में भाग लिया। नासवी ने वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस में भी भाग लिया है। 2002 में एशियाई कार्यशाला का आयोजन किया और पुनः फरवरी 2006 में में भी पुनरावृति की । 2002 से 2017 तक, NASVI ने ILO में कई बैठकों में भी भाग लिया, जहाँ NASVI ने अनौपचारिक श्रमिकों के अधिकारों को

अंतर्राष्ट्रीय वकालत के प्रति नासवी की प्रतिबद्धता अटूट रही, जैसा कि सितंबर 2013 में स्ट्रीटनेट अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी और 2015 में विश्व शहरी मंच और विश्व आर्थिक मंच जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रमों में इसकी भागीदारी से प्रमाणित हुआ। नासवी ने नवंबर में अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रीट वेंडर्स दिवस भी मनाया। 2014, अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देते हुए स्ट्रीट वेंडरों के संघर्ष और योगदान पर जोर दिया गया। इसके अलावा, नासवी ने 2016 में मनीला में वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस में भाग लेकर भारतीय स्ट्रीट फूड की वैश्विक अपील और मान्यता को रेखांकित करते हुए अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार किया। 2017 में नासवी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में गए| ये आयोजन और भागीदारी अंतरराष्ट्रीय वकालत में नासवी के लगातार प्रयासों को उजागर करती है, पथ विक्रेताओं को सशक्त बनाती है, और अनौपचारिक श्रम, शहरी विकास और सांस्कृतिक संरक्षण पर वैश्विक चर्चा में उनके महत्व पर प्रकाश डालती है।

with VGCL representative in front of VGCL Headquarter

INDIA
SUMMIT
Setting course for
sustainable growth
@EconomistEvents
#EconIndia
The Economist
EVENTS
Standard Chartered
Microsoft
SREI
ALLISON+ PARTNERS

agent future festival
2019

UN HABITAT
URBAN THINKERS CAMPUS
Cities Alliance
CITIES FOR
INCLUSIVE
PROSPERITY
ARBIND SINGH
SHALINI SINHA
NAMRATA BALI

Sangeeta Sin
NASVI, India

Organised By
Supported By
FoSTaC

स्ट्रीट फूड - एक सुरक्षित भोजन

"स्ट्रीट फूड सुरक्षित भोजन है" एक सिद्धांत है जो स्ट्रीट फूड वेंडिंग में स्वच्छता और सुरक्षा प्रथाओं के महत्व पर प्रकाश डालता है, और यह नासवी के साथ निकटता से जुड़ी हुई अवधारणा है। नासवी प्रशिक्षण सत्र आयोजित करके और खाद्य सुरक्षा पर मार्गदर्शन प्रदान करके 'सुरक्षित भोजन परोसें' परियोजना पर काम कर रहा है। 2009 से नासवीनेशनल स्ट्रीट फूड फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करने और पूरे भारत के विभिन्न व्यंजनों को लोगों के सामने पेश करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का मंच दे रहा है। नासवी ने 2016 से लगभग 18 राज्यों में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रशिक्षण दिया है। अब तक एक लाख से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को FSSAI द्वारा प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जा चुका है। नासवीने पथ विक्रेताओं के बीच स्वच्छता बनाए रखने, उचित भोजन प्रबंधन और स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के पालन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करता है।

राष्ट्रीय स्ट्रीट फ़ूड महोत्सव

पहला साल - जुलाई 2009 लेडी हार्डिंग कॉलेज, नई दिल्ली	12-14 दिसंबर 2015 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 7वां एनएसएफएफ
दूसरा एनएसएफएफ - दिसंबर 2011, कॉन्स्टिट्यूशनक्लब, नई दिल्ली	23-25 दिसंबर 2016 को जवाहरलाल नेहरूस्टेडियम, नई दिल्ली में 8वां एनएसएफएफ
तीसरा एनएसएफएफ -दिसंबर 2012, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, नई दिल्ली	12-14 जनवरी 2018 को जवाहरलालनेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 9वां एनएसएफएफ
चौथा एनएसएफएफ - दिसंबर 2013 जवाहरलाल नेहरूस्टेडियम, नई दिल्ली	10वीं एनएसएफएफ 14-16 दिसंबर 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ल
5वां एनएसएफएफ -दिसंबर 2014 जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली	11वीं एनएसएफएफ 25 से 29 दिसंबर 2019 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, गेट नंबर - 2, नई दिल्ली
छठा एनएसएफएफ - मार्च, 2015 जवाहरलाल नेहरूस्टेडियम, नई दिल्ली	12वीं एनएसएफएफ- 13 से 15 जनवरी 2023 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, गेट नंबर - 2, नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रीट फूड उत्सव

वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस, सिंगापुर 2013
वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस, सिंगापुर 2015
वर्ल्ड स्ट्रीट फूड कांग्रेस, मनीला, फिलीपींस 2016

FOOD FESTIVA

राजस्थानी टिक्कड

SERVE SAFE FOOD
Organised By
FoSTaC
Supported By
fssai

This year there are more than

BHAVNAGAR
(GUJARAT)
Aloo Vada ₹30
Gathiya ₹30

Enjoy Street Food

Supported By
SERVE SAFE FOOD
Training for street food vendors
Nestlé India
Mr. A K Gupta

Sustaining Food Security from Streets
Food Safety and Hygiene Training of Street Food Vendors
21 October, 2013, Delhi
National Association of Street Vendors of India
Event Support
Food Safety and Standards Authority of India

nore than
l cuisines from
across India.

NATIONAL ASSOCIATION OF STREET VENDORS OF INDIA
12TH NATIONAL STREET FOOD FESTIVAL
WORLD'S LARGEST STREET FOOD FESTIVAL
12TH NATIONAL STREET FOOD FESTIVAL

संगठन निर्माण और नेतृत्व विकास

नासवी एक सदस्यता-आधारित संगठन है, दूसरे शब्दों में नासवी संगठनों का एक संगठन है। स्थापना के समय से ही, संगठनों ने पूरे भारत में स्ट्रीट वेंडर के नेतृत्व वाले संगठनों को बनाने, जोड़ने और बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारा मानना है कि स्ट्रीट वेंडरों के मजबूत और समुदाय-आधारित संगठन भारत में स्ट्रीट वेंडरों के अधिकारों के मुद्दे को दोहराने की मुख्य ताकत हैं। अब तक 1024 स्ट्रीट वेंडर संगठन और लगभग 10 सदस्य सीधे तौर पर नासवीसे जुड़े हुए हैं। जमीनी स्तर पर संगठन और क्षमता निर्माण के प्रति नासवी की प्रतिबद्धता पूरे भारत में स्ट्रीट वेंडरों के जीवन को बेहतर बनाने के उनके चल रहे प्रयासों में महत्वपूर्ण बनी हुई है।

नासवी का दृष्टिकोण संगठन निर्माण और क्षमता विकास की बहुस्तरीय प्रक्रिया पर आधारित है जो पथ विक्रेताओं को सबसे आगे रखता है। यह प्रक्रिया जमीनी स्तर पर शुरू होती है, जहां व्यक्तिगत नेता अपने इलाकों में उभरते हैं। फिर ये नेता शहर-स्तरीय संघ बनाने में सहायक होते हैं, जो समन्वय और सामूहिक कार्रवाई के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करते हैं। ये शहर-स्तरीय संघ, बदले में, राज्य-स्तरीय संघ बनाने के लिए सहयोग करते हैं, जिससे विक्रेताओं को अपनी आवाज़ बढ़ाने और अपने क्षेत्र के विशिष्ट मुद्दों को संबोधित करने की अनुमति मिलती है।

കേരള സെൽഫ് എംപ്ലോയീസ് അസോസിയേഷൻ
(KSEA)

VEG &
NON VEG
285
286

NASVI HYDERABAD LEADERS MEETING
Cheif Guest
SRI ARAVEND SINGH

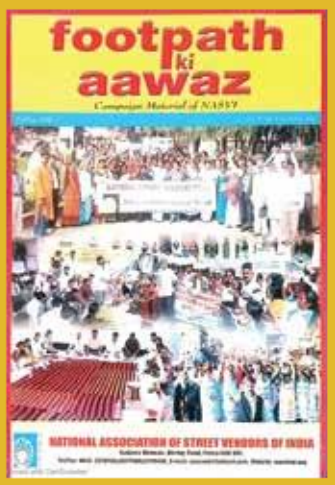
footpath
ki
aawaz
NATIONAL ASSOCIATION OF STREET VENDORS OF INDIA

सामाजिक सुरक्षा लाभों से सुरक्षा करना

भारत में नासवी ने देश भर में स्ट्रीट वेंडरों और अनौपचारिक श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा की रक्षा करने के उद्देश्य से चलाए गए अभियानों में सबसे आगे रहा है। इस प्रक्रिया में, अपनी स्थापना के बाद से, नासवीने राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के स्ट्रीट वेंडरों और असंगठित क्षेत्र के मुद्दों और मांगों को लगातार उठाया है।

मुद्दों को उठाने के साथ-साथ, नासवीने भारत के 100 से अधिक जिलों में असंगठित श्रमिकों और स्ट्रीट विक्रेताओं के लिए विभिन्न योजनाओं तक पहुंच में अंतर को पाटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नासवी के हस्तक्षेप से 100,000 से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को सीधे पीएम स्वनिधि क्रेडिट योजना प्राप्त हुई है। इसके अलावा नासवीके सदस्य संगठनों ने भी पीएम स्वनिधि की पहुंच का समर्थन किया है और यह काम अभी भी जारी है।

नासवी के हस्तक्षेप से 5,00,000 से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को सीधे पीएम स्वनिधि क्रेडिट योजना प्राप्त हुई है। इसके अलावा नासवी के सदस्य संगठनों ने भी पीएम स्वनिधि की पहुंच का समर्थन किया है और यह काम अभी भी जारी है।

नासवी ने NASS (नेशनल अलायंस फॉर सोशल सिक्योरिटी) के सहयोग से सामाजिक सुरक्षा पर श्रम संहिता पर बिहार में श्रमिक संगठनों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का एजेंडा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए बारीकी से काम करना था,

और सामाजिक सुरक्षा पर श्रम संहिता पर भी चर्चा करना था जिसे मंजूरी और कानून के अधिनियमन के लिए जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। इसके अलावा, ILO के समर्थन से नासवीने 18 सितंबर से 14 अक्टूबर 2015 तक एक रथ अभियान का आयोजन किया, जहां ओडिशा के लगभग 25 जिलों में अभियान चलाया गया। इस अभियान से एसपीएफ़ तत्वों पर सूचित संवाद और सर्वसम्मति निर्माण के साथ-साथ राज्य में मौजूदा सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुंच में वृद्धि हुई।

आपदा में राहत

नासवी उस समय के लोगों का स्तंभ रहा है अत्यधिक आवश्यकता, चाहे उत्तर-पूर्व के दंगों से हो दिल्ली 2020 में वापस आया जब नासवी सहयोग में था निदान के साथ उत्तर पूर्व के पीड़ितों का समर्थन किया दिल्ली दंगे और 500 से अधिक वितरित प्रभावित क्षेत्रों में भोजन के पैकेट या मदद करना नेपाल में आए भूकंप से लोग दुखी हो गए हैं इसमें हमेशा सबसे आगे रहते हैं. दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक के दौरान 2015 में नेपाल की आपदा, नासवी ने लिया पहल और घायलों के लिए और अन्य भूकंप प्रभावित लोग NIDAN के साथ साझेदारी में नेपाल, नासवी और स्ट्रीटनेट इंटरनेशनल ने एक भेजा चावल सहित राहत भोजन से भरा ट्रक,नासवी भी कोविड राहत में प्रमुख रूप से शामिल था।

नासवी ने भारत के विभिन्न राज्यों में कोविड संकट के दौरान 1 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों का टीकाकरण किया है।

नासवी ने पोस्ट-कोविड राशन सहायता के माध्यम से 5 लाख से अधिक व्यक्तियों को सहायता प्रदान की। द्वारा राशन वितरण किया गया विभिन्न राज्यों में हमारे सदस्य संगठन सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाले वर्ग पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

नासवी - अख़बारों के नज़र में

नासवी हमेशा खबरों में रहा है और अपनी पूरी यात्रा के दौरान स्ट्रीट वेंडरों की आवाज को क्षेत्रीय स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक उठाता रहा है। नासवी ने नीति निर्माताओं के साथ स्ट्रीट वेंडरों के मुद्दे को उठाने के लिए चर्चा में रहा है, चाहे वह रथ अभियान का आयोजन करना हो या स्ट्रीट वेंडर्स बिल की मांग में भूख हड़ताल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करना हो, नासवी हर कदम और कार्रवाई में सबसे आगे रहा है।

रेहड़ी फेरी वालों ने सोनिया पर बढ़ाया दबाव

Street vendors to hold mega protest on Dec 2

सड़क पर उतरे स्ट्रीट वेंडर्स

आज ग्रीन पार्क में प्रदर्शन

14 ਨੂੰ ਸਟਰੀਟ ਵੈਂਡਰਾਂ ਨੂੰ ਪੁਰਾਣੀ ਦਾਣਾ ਮੰਡੀ ਸ਼ਿਫਟ ਦਾ ਹੋਇਆ ਫ਼ੈਸਲਾ

ਅਜੀਤ 05-Sep-2022 Page 7

NAME	PLACE	DATE
Sandhya Times	New Delhi	28 JUL 2009

खुदरा खबरें

पटरी व्यवसायियों ने थाने का किया घेराव

वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने पटरी व्यवसायियों को थाने पर बैठाने का विरोध किया। शुक्रवार को दशाश्वमेध थाने का घेराव कर रहे समिति के सदस्यों ने कहा कि अतिक्रमण अभियान के दौरान 100 से अधिक व्यवसायियों का न केवल सामान जब्त किया गया बल्कि उन्हें थाने पर बैठाया गया। यह ठीक नहीं है। हालांकि थाना प्रभारी ने पटरी व्यापारियों से सुपुर्दनामा लिखवाकर छोड़ दिया है। इस दौरान अर्चना चंदवानी, शीला देवी, मुन्नी देवी, धर्मराज गुप्ता, मनोज यादव, दीपक रस्तोगी, प्रदीप आदि शामिल रहे। संवाद

एफडीआई के खिलाफ अनशन करते दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से जुटे हॉकर व खुदरा व्यापारी।

THE HINDU
METROPLUS WEEKEND
DELHI • SATURDAY, AUGUST 1, 2009

Fresh from the fire

EVENT Street food festival

ಬೀದಿಬದಿ ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳ ಸಮಸ್ಯೆ ಪರಿಹರಿಸಲು ಮನವಿ

ಪಟ್ಟಣ ಮಾರಾಟ ಸಮಿತಿ ಸದಸ್ಯ ಚನ್ನವೀರಪ್ಪ ಗಾಮನಗಟ್ಟಿ ಅವರಿಂದ ಪಾಲಿಕೆ ಆಯುಕ್ತರಿಗೆ ಮನವಿ

IV | दैनिक जागरण नई दिल्ली, 12 जून 2014

रहड़ी वालों को पंजीकरण की समस्या को उठाया

गांधी पीस फाउंडेशन में आयोजित बैठक में पंजीकरण समस्या पर चर्चा करते नासवी के कोऑर्डिनेटर अरविंद सिंह (बाएं) व अन्य पदाधिकारी। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : फूड सेफ्टी एक्ट के तहत होने वाले पंजीकरण में जटिलता के संबंध में नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स (नासवी) के पदाधिकारियों ने दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। गांधी पीस फाउंडेशन में बुधवार को हुई इस बैठक में एसोसिएशन के सदस्यों ने रेहड़ी व पटरी वालों की समस्या को अधिकारियों के सामने रखा।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2011 के अंतर्गत पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि चार अगस्त है। हालांकि पंजीकरण इतनी धीमी रफ्तार से चल रहा है कि इसके अंतर्गत

• खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

अगस्त तक एक हजार से ज्यादा रेहड़ी पटरी वालों का पंजीकरण नहीं हो पाएगा। जबकि दिल्ली में करीब एक लाख लोग खाद्य पदार्थ बिक्री करते हैं। साथ ही पंजीकरण में कई जटिलताएं भी हैं, मसलन पटरी वालों को इसके लिए दिल्ली का फोटो पहचान पत्र भी देना पड़ता है, जो 80 फीसदी लोगों के पास मौजूद नहीं है। यह सभी समस्याएं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के समक्ष उठाई गई तो जिसके बाद तय हुआ कि पंजीकरण करवाने के लिए पटरी विक्रेता देश में कहीं का भी फोटो पहचान पत्र दे सकते हैं।

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट पर हाई कोर्ट ने अधिकारियों को किया तलब

जासं, नई दिल्ली : स्ट्रीट वेंडर्स की समस्याओं को सुलझाने में असफल रहने पर हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग के अधिकारियों को तलब किया है। कोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि वे स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट में जरूरी बदलाव को लेकर अभी तक निर्णय क्यों नहीं कर पाए है। उनके पास छह सप्ताह का समय था, लेकिन वेंडर्स की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। पीठ ने अधिकारियों को 4 सितंबर को पेश होकर जवाब दाखिल करने को कहा है। नीति में बदलाव पर स्ट्रीट वेंडर्स की समस्याओं को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन व कुछ एनजीओ ने याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने वेंडर्स नीति को अंतिम रूप देने से पहले सरकार को स्ट्रीट वेंडर्स की समस्याओं का हल निकालने के लिए कहा था। याचिका में नीति में बदलाव में स्ट्रीट वेंडर्स को प्रतिनिधित्व नहीं देने और उनकी समस्याओं को न सुने जाने का आरोप लगाया था।

Vendors flay move for FDI in retail

Staff Reporter

"NO FDI": Members of the National Association of Street Vendors of India out on a protest march in New Delhi on Wednesday. - PHOTO: V. SUDERSHAN

महिला पथ विक्रेता नेतृत्व

महिला स्ट्रीट वेंडर्स एक भूमिका निभाती हैं समाज में निर्णायक भूमिका, योगदान आर्थिक सशक्तिकरण के लिए, गरीबी उन्मूलन, और जीवन शक्ति शहरी अर्थव्यवस्थाओं का नासवी ने आयोजित किया कई महिला विक्रेता विभिन्न राज्यों में सम्मेलन जैसे हैदराबाद, असम और कोलकाता। नासवी ने पथ विक्रेता का भी आयोजन किया जबलपुर में महिला सम्मेलन। हम महिला विक्रेता भी थीं 26-27 को भोपाल में सम्मेलन सितम्बर 2012. नासवी का आयोजन महिलाओं पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन नगर विक्रय समिति 29 एवं 30 मई 2023 को सदस्य, 200 से अधिक महिलाओं के पास है 17 राज्यों से भाग लिया।

नासवी ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई
है महिला स्ट्रीट वेंडरों का समर्थन करना
एक गरिमामय की खोज में आजीविका। को
पहचानना इन महिलाओं के सामने
चुनौतियां, जिनमें से कई प्रवासी हैं और
उत्पीड़न के खुले शिकार और भेदभाव,
नासवी ने लिया है सक्रिय उपाय. हमारे पास
है उनके भीतर महिला प्रकोष्ठों की स्थापना
की सदस्य संगठन, सहयोग कर रहे हैं
एक राष्ट्रीय बनाने के लिए घटकों के साथ
2011 में महिला सेल. ये सहयोगात्मक
प्रयास का उद्देश्य बढ़ावा देना है
और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करें
विक्रेताओं।

यादों के आइने में - हमारे नायक

नासवी की इस अद्भुत यात्रा में, हमने कई साझेदार बनाए हैं, लेकिन कई को खोया भी है, जिनका समर्पण और कड़ी मेहनत हमें वह बनाती है जो हम हैं। ये कुछ प्रमुख हैं जिन्होंने हमारी सफलता की कहानी को और अधिक सुंदर बना दिया है.

आनंद प्रकाश शर्मा
गाजियाबाद के साप्ताहिक बाजार के कद्दावर नेता जिन्होंने साप्ताहिक बाज़ारों से ठेकादारी उन्मूलन के लिए संघर्ष किया

बालासाहब मोरे
बालासाहब मोरे ने पुणे में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए लगातार काम किया

वीरेंद्र प्रसाद
राजगीर, बिहार से थे, उन्होंने नासवी को इसके शुरुआती वर्षों में निर्माण और विकास में मदद की

चंद्रकांत बिस्वाल
भद्रक- ओडिशा के एक विक्रेता नेता, जो सादा जीवन लेकिन पथ विक्रेताओं के लिए निरंतर संघर्ष के लिए जाने जाते हैं।

इला भट्ट
सेवा की संस्थापक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर स्ट्रीट वेंडरों के मुद्दे को उठाने वाली पहली प्रमुख व्यक्ति थीं।

महेश जी बोरा
जोधपुर के एक वामपंथी वकील, उन्होंने स्ट्रीट वेंडरों को आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान की

प्रमोद निगम-
नासवी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले नेता, उन्होंने बाजार की स्वच्छता के लिए जीवन-संघर्ष किया और उन्हें 'स्वच्छतादूत' कहा गया।

विनोद धीमान
एक प्रतिबद्ध स्ट्रीट विक्रेता देहरादून से नेता- उत्तराखंड

अशफाक अली
से एक बहुत मुखर नेता लखनऊ, उत्तर प्रदेश। वह के मुद्दों को मजबूती से रखा सभी मंचों पर स्ट्रीट वेंडर्स।

शारित भौमिक

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के एक शिक्षा विदने 2000 में स्ट्रीट वेंडरों के बारे में अपने अध्ययन से 2002 में पहली राष्ट्रीय कार्यशाला का आधार बनाया। वह 2004 की राष्ट्रीय नीति की मसौदा समिति और टास्क फोर्स के सदस्य थे।

सोदान सिंह

दिल्ली का एक स्ट्रीट वेंडर सुप्रीम कोर्ट गए और माननीय न्यायालय ने स्ट्रीट वेंडिंग को 19(1)(जी) के तहत मौलिक अधिकार घोषित करवाया। नासवी के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष।

विजी श्रीनिवासन

भारत में नारी वादी आंदोलन के एक प्रमुख नेता, उन्होंने शुरुआती वर्षों में नासवी को संस्थागत बनाने और विस्तार करने में मदद की।

राम कुमार

मुज़फ़्फ़र नगर के एक कट्टर स्ट्रीट वेंडर नेता- उन्होंने मुजफ्फरनगर में रेहड़ी-पटरी वालों के कई सफल संघर्षों को रेखांकित किया।

प्रभावती देवी

निदान के प्रथम नेता अध्यक्ष जहाँ नासवी ने उसे आश्रय दिया था पहले यादगार प्रस्तुति दूसरा श्रम आयोग एक के रूप में बहुत चर्चा हुई थी।

रमेन पांडे

वह न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रसिद्ध लोकप्रिय ट्रेड यूनियन नेता थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल में नासवी के कई कार्यक्रम आयोजित किये और लोक प्रिय बनाया।

फूलचंद भाई

वह राष्ट्रीय स्ट्रीट फूड फेस्टिवल में एक उत्साही भागीदार थे और उनकी मलैया को दिल्ली वासियों ने पसंद किया और सराहा। मलैया को दिल्ली प्रेसने भी कवर किया था।

अमित लाल सोनी

एक प्रसिद्ध स्ट्रीट फूड विक्रेता वह लखनऊ से नियमित नेशनल स्ट्रीट फूड फेस्टिवल में भागीदारी लेते थे

अनिल सिंह मार्टिन

उत्तराखंड से थे के लिए लगातार काम कर रहे हैं असंगठित क्षेत्र बिहार में समुदाय.

के.ए. रगुनाथ

पिछले 25 साल से उनके पास काम है स्ट्रीट वेंडर के लिए पलक्कड़ जिले में. केरल। वह हर साल उपस्थित हों नासवी-एजीएम बैठक और भोजन उत्सव।

कार्यकारी समिति/शासी परिषद के सदस्य

नाम	पद
चन्द्र प्रकाश सिंह	अध्यक्ष
अरबिन्द सिंह	राष्ट्रीय संयोजक
दयाशंकर सिंह	उपाध्यक्ष
गोकुल प्रसाद मोकाती	उपाध्यक्ष
मगेश्वरन वी	सचिव
रेनू शर्मा	सचिव
कमलेश कुमार उपाध्याय	कोषाध्यक्ष
एम.मोहम्मद कबीर	कार्यकारी सदस्य
अंधे पोचम्मा	कार्यकारी सदस्य
संजय चोपड़ा	कार्यकारी सदस्य
चंद्र रेखा पांडे	कार्यकारी सदस्य
धुपति वेंकट रत्नम	कार्यकारी सदस्य
Prema	कार्यकारी सदस्य
मेमन मोहम्मद शब्बीर अब्दुल रहीम	कार्यकारी सदस्य
होनाजी हेमराज चव्हाण	कार्यकारी सदस्य
इरशाद अहमद	कार्यकारी सदस्य
राजेन्द्र प्रसाद	कार्यकारी सदस्य
कंचन देवी	कार्यकारी सदस्य
मनोज कुमार स्वैन	कार्यकारी सदस्य
अभिषेक निगम	कार्यकारी सदस्य
चंद्रावती	कार्यकारी सदस्य
मुल्लावर	कार्यकारी सदस्य
लीलावती	कार्यकारी सदस्य
टाइगर सिंह	कार्यकारी सदस्य

Registered Office
National Association of Street Vendors of India (NASVI) 304, Maurya Tower, Block-C, Maurya Lok Complex, Patna-800 001, (Bihar) India Phone: 0612-2220772, 2220773 Email:info@nasvinet.org
Coordination Office
6, school lane 2nd floor
Bengali Market, Barakhamba Road Delhi-110001
Tel:+91-011-47553013 | **Email: office@nasvinet.org** | **www.nasvinet.org**